

वार्तालाप 568, फर्रुखाबाद, ता.20-5-2008

Disc.CD No.568, dated 20.5.08 at Farrukhabad

Extracts-Part-1

समय 3.20-4.28

जिज्ञासु: जो हीरो पार्टधारी है मेग्जिमम (maximum) 84 जन्म होते हैं और जैसे सेवकराम वाली आत्मा है उनमें 84 वें जन्म में बाबा प्रवेश किये और फिर दुबारा जो जन्म हुआ तो उसको(वह) 85 वां जन्म कहलायेगा क्या?

बाबा: उनके 84 वें जन्म में से 50 साल कम हो गये। और प्रजापिता के 84 जन्मों में से एक दिन भी कम नहीं होता। ये अंतर है। ब्रह्मा दादा लेखराज को ऑलराउण्ड पार्टधारी नहीं कहेंगे। उनके फॉलोअर्स को भी ऑलराउण्ड पार्टधारी नहीं कहेंगे, पूरे 84 जन्म लेने वाला। लेकिन तुम बच्चों को कहेंगे ऑलराउण्ड पूरे 84 जन्म लेने वाले।

Time: 03.20-04.20

Student: The hero actor takes maximum of 84 births. And for example, Baba entered the (body of) the soul of Sevakram in his 84th birth. And when he is reborn, will it be called his 85th birth?

Baba: 50 years were less in his (i.e. Dada Lekhraj's) 84th birth. And not even a single day is less in the 84 births of Prajapita. This is the difference. Brahma Dada Lekhraj will not be called an *all round* actor. His followers will not be called *all round* actors, who take complete 84 births, either. But you children will be called *all round* [actors], who take complete 84 births.

समय 4.35-5.44

जिज्ञासु: बाबा, अभी बाहर काम के लिए हम लोग जाते हैं कैम्प पर्पस (camp purpose) के लिए 3, 4 दिन या 4, 5 दिन वहाँ रहना पड़ता है। उस टाइम में खाना जो होता है नाश्ता आदि कुछ खाना वो तो पवित्र तो नहीं रहता है।

बाबा: क्यों नहीं रहता?

जिज्ञासु: दूसरे लोग अलौकिक लोग (नहीं) हैं लौकिक के हैं।

बाबा: तो क्या हुआ? (अ)लौकिक के लोग नहीं हैं तो अपना खाना नहीं बनाके ले जा सकते हैं 5 दिन के लिए। आटे को दूध में मॉड़ लो, प्योर दूध में, पानी नहीं डालना, और घी में पूड़ियाँ बना लो, और नींबू के अचार से खा लो, मुरब्बे से खा लो, केले से खा लो। आजकल जेली हर जगह मिल जाती है। अमरूद की जेली बनाते हैं, आम की जेली बनाते हैं, मुरब्बा जैसा, खा लो। पुरुषार्थ नहीं करना चाहते हैं, बाहर मिल जाये तो लपालप खा लें।☺

Time: 04.35-05.44

Student: Baba, now we go outside for work, for camp purpose. We have to stay there for 3-4 days or 4-5 days. At that time the food that is available there, the breakfast, meals etc. that is not pure.

Baba: Why not?

Student: The other people there are not *alokik* people, they are *lokik* ones.

Baba: So what? If they are not [*a*]*lokik* people, can't you cook and take your own food for 5 days? Knead the wheat flour in milk, in pure milk, do not add water; and prepare *pooris* in ghee and eat it with lemon pickle, with *murabba* (jam), with banana. Nowadays, jelly (i.e. jam) is available everywhere. Guava jelly is prepared, mango jelly is prepared like *murabba* (i.e. jam); eat it. You do not want to make *purusharth* (spiritual effort); and you want to eat gluttonously whatever you get outside.☺

समय 6.02-7.15

जिज्ञासु: बाबा, जब मुरली सुनते हैं तो नींद आती है।

बाबा: जब मुरली सुनते हैं तो नींद आती है, कुंभकर्ण आक्रमण कर देता है। और जब याद में बैठते हैं तो?

जिज्ञासु: नींद आती है।

बाबा: तब भी नींद आती है? ओहो, पक्का कुंभकर्ण के औलाद बना बैठा है। ☺ उसके लिए बाबा ने बोला, आँख में डालने वाला जो दवाई का ड्रॉपर होता है ना। उस ड्रॉपर में सरसों का तेल डाल के रखो। और जैसे ही नींद आये वैसे ही आधा बूंद उंगली में लेके और यूँ लगा दो एक आँख में, दोनों आँखों में नहीं। एक आँख पिच करेगी तो दूसरी अपने आप जागती रहेगी। आधा पौना घण्टा के लिए छुट्टी हो जायेगी नींद की, भाग जायेगी। फिर दुबारा नींद आये फिर दूसरी आँख में लगा दो। ऐसे एक दो बार करेंगे क्लास पूरा हो जायेगा। फिर महीने, दो महीने में पक्की प्रैक्टिस पड़ जायेगी। जैसे भूत भाग जाता है, वैसे कुंभकर्ण भी भाग जायेगा।

Time: 06.02-07.15

Student: Baba, we feel sleepy when we listen to murli.

Baba: You feel sleepy when you listen to murli. Kumbhakarna attacks you. And what about the time when you sit in remembrance?

Student: We feel sleepy.

Baba: Do you feel sleepy at that time as well? *Oho*, you have truly become the child of Kumbhakarna. ☺ For that Baba has said: Take a *dropper* which is used to put medicine in the eyes; keep mustard oil in that *dropper* and as soon as you feel sleepy, take half a drop [of the oil] on your finger and apply it like this, in one eye, not in both eyes. If one eye becomes sticky (due to the oil), the other eye will automatically remain awake (open). You will be relieved of sleep for half an hour or three quarters of an hour. It (sleep) will run away. Then, if you feel sleepy again, apply it (oil) in the other eye. If you do one or two times like this, the class will be over [by then] . Then the *practice* [of remaining awake] will become firm in a month or two. Just like a ghost runs away, Kumbhakarna will run away, too.

समय 7.30-8.47

जिज्ञासु: बाबा, अभी बताया कि कुदरती सुख पर सबका हक बराबर होना चाहिए।

बाबा: अभी है हक? अभी बराबर हक है? कि पानी के ऊपर, समुंदर के ऊपर दूसरे देश का जहाज दौड़ेगा तो पकड़ लेंगे, शूट कर देंगे।

जिज्ञासु: द्वापरयुग से शुरु हो जाता है।

बाबा: क्या शुरु हो जाता है?

जिज्ञासु: बँटवारा शुरु हो जाता है।

बाबा: हाँ, बटवारा शुरु हो जाता है। देशों का बँटवारा शुरु हो जाता, राज्यों का बँटवारा शुरु हो जाता, राजाई का बँटवारा शुरु हो जाता। वो तो है ही रावण राज्य दस सिरों का राज्य है कि एक का राम का राज्य है?

जिज्ञासु: उसका फॉउन्डेशन अभी चैतन्य प्रकृति के ऊपर पड़ रहा है?

बाबा: हाँ, अभी प्रकृति जो है हम उल्टी सीढ़ी चढ़ रहे हैं, या सीधी सीढ़ी चढ़ रहे हैं? उल्टी सीढ़ी चढ़ रहे हैं। तो प्रकृति भी अभी उल्टी सीढ़ी चढ़ रही है। वो भी नहीं जानती है कि हम क्या कर रही हैं? किसके प्रभाव में आ रही हैं? जैसे क्वीन का मिसाल दिया, उनको पता ही नहीं है, क्या गड़बड़ घोटाला हो रहा है।

Time: 07.30-08.47

Student: Baba, just now it was said that everyone should have an equal right to the happiness (luxuries) [received from] the nature.

Baba: Do you have the right, now? Do you have an equal right now? Or [is it so that] if another country's ship runs on [your] waters, on [your] ocean you will confiscate it, shoot it?

Student: It starts from the Copper Age.

Baba: What starts?

Student: The partition begins.

Baba: Yes, the partition begins. The partition of the countries begins, the partition of the states begins, and the partition of the kingship begins. It is indeed the kingdom of Ravan. Is it the kingdom of ten heads or is it the kingdom of one Ram?

Student: Is its foundation being laid now on the living nature?

Baba: Yes, the nature at present is... are we climbing up the stairs or are we climbing down the stairs? We are climbing up the stairs. So, at present nature is also climbing up the stairs. She too does not know what she is doing [and] by whom is she being influenced. Just as the example of a queen was given; she does not know at all what scandal (*gadbad ghotala*) is going on?

समय - 8.53-9.43

जिज्ञासु: बाबा, अभी एडवान्स का ज्ञान तो मिला है, अभी बी.के. लोगों के पास जाके हम उनको देने के लिए हम लोग जायेंगे सपोज (suppose) वो लोग कुछ करके मारने के लिए आयेंगे तो हम भी मारके उनको सिखाना है या तो क्या करना है?

बाबा: पाण्डव गुप्त होकर के घूमते हैं या प्रत्यक्ष घूमते हैं?

जिज्ञासु: गुप्त घूमते हैं।

बाबा: तो आप काहे के लिए प्रत्यक्ष हो जायेंगे? गुप्त होकर के घूमिये, अपने को दिखाने की क्या जरूरत है कि हमने एडवान्स ज्ञान ले लिया, हम बड़े ज्ञानी हो गये। छोटे बनके जाओ। जैसे हनुमान जूतियों में घुस जाता था, ऐसे सर्विस करो। छोटा बन करके सर्विस करना अच्छा होगा या बड़ा बन करके जायेंगे तो सर्विस अच्छी होगी? छोटा बनके जाइये।

Time: 08.53-09.43

Student: Baba, we have certainly received the advance knowledge now; now we will go to the BKs to give [this knowledge], suppose they create an uproar and come to beat us, then should we also beat them to teach them a lesson or what should we do?

Baba: Do the Pandavas move around secretly or do they move around openly?

Student: They move around secretly.

Baba: Then why do you want to be revealed? Move around secretly. Where is the need to show yourself off that you have obtained the advance knowledge; that you have become very knowledgeable? Go as an ordinary person. Just like Hanuman used to enter in shoes; serve in this way. Will it be good to do service if you do it as an ordinary person or will there be good service if you do it as a great personality? Go there as an ordinary person. (to be continued)

Extracts-Part-2

समय 9.48-11.06

जिज्ञासु: बाबा, और एक बात है छोटी मम्मी जो है अभी साउथ आफ्रीका में है।

बाबा: छोटी मम्मी को मम्मी मत कहो, वो नहीं मरती है। मम्मी कहा जाता है जो मर जाये, मुर्दा हो जाये उसको कहा जाता है मम्मी।

जिज्ञासु: दूसरी लैंग्वेज से बात करने से थोडा फर्क पड जाता है बाबा।

बाबा: हाँ, छोटी माँ कहो।

जिज्ञासु: छोटी माँ है ना बाबा, तो छोटी माँ के लिए अभी साउथ आफ्रीका में दो साल साथ में काम किया था बाबा।

बाबा: अच्छा।

जिज्ञासु: तो इसलिए अभी मेरी बड़ी बहनजी जो है वो सरेण्डर है बी.के. में। वो पहले उनके साथ ही थी।

बाबा: ठीक है।

Time: 9.48-11.06

Student: Baba, another thing is that junior mummy is now in South Africa.

Baba: Do not call junior mummy (*choti mummy*) as mummy; she does not die. The one who dies, the one who becomes a corpse is called mummy.

Student: Speaking in other language makes a little difference Baba.

Baba: Ok, Call her junior mother (*chhoti ma*).

Student: Baba, I had worked with junior mother for two years in South Africa.

Baba: OK.

Student: So, now my elder sister is surrendered in BK. Earlier she stayed with her.

Baba: OK.

जिज्ञासु: उनके साथ मैं बात करके छोटी माता को अभी मैं संदेश देके कुछ यहाँ से पाम्पलेट जो भी होते हैं मैं दे सकता हूँ क्या बाबा?

बाबा: अरे, सेवा कोई पूछ के की जाती है क्या?

जिज्ञासु: नहीं भाई साहब ने अभी मुझे बताया कि बाबा को पूछ के ये काम करो करके बताया।

बाबा: ऐसी कोई बात नहीं है। हाँ, लिटरेचर तुम जो भेजो छपा हुआ लिटरेचर भेजेंगे वो तो पास है ही आलरेडी। जो बाबा की तरफ से छपाया गया है। अगर अपनी तरफ से कोई लिटरेचर छापते हैं या कम्प्यूटराइज करके भेजते हैं तो उसको एक बार दिखा लेना जरूरी है। (जिज्ञासु: ठीक है बाबा।) हाँ जी। और।

Student: Baba, can I talk to her (elder sister) and give the message or pamphlets or whatever I can to junior mother?

Baba: Arey, does anyone do service by seeking permission?

Student: No, the brother told me just now to do the task with Baba's permission.

Baba: There is nothing like that. Yes, the *literature* that you have to send..., the printed *literature*, which has been published on behalf of Baba, has already been passed (i.e. approved) (but) if you publish any *literature* on your behalf or if you send any *computerized literature* then it is necessary to show it once. (Student: ok Baba) Ok. Anything else?

जिज्ञासु: बाबा आज की मुरली में बोला है कि 16,108 की माला जो है उसमें प्रिंस प्रिंसेस त्रेता के अंत तक बनते हैं। फिर वो द्वापर कलियुग में नहीं बनेंगे क्या?

बाबा: द्वापर कलियुग में बनेंगे... इस जनम में पुरुषार्थ करेंगे तो अगले जनम में बनेंगे। यहाँ के पुरुषार्थ से नहीं बनेंगे। द्वापर कलियुग में जो प्राप्ति होती है वो पूर्व जन्म के किए हुए कर्मों की प्राप्ति अगले जन्म में होती रहती है। अभी जो हम पुरुषार्थ कर रहे हैं उसकी प्राप्ति कितने जन्म होती है? 21 जन्म होती है। ये बाप की दी हुई प्रारब्ध है। वो माया की दी हुई प्रारब्ध है। शूटिंग दोनों की अभी ही होती है। और।

Student: Baba it is said in today's murlī that the [beads in the] rosary of 16,108 will become prince princess till the end of the Silver Age. Won't they become (prince princess) in the Copper and Iron Ages?

Baba: In the Copper Age and the Iron Age, they will become... if they make *purusharth*¹ in this birth they will become (prince princess) in the next birth. They will not become (prince princess there) with *purusharth* done here. The attainment that they receive in the Copper and the Iron Ages is the result of the actions done in past births. The *purusharth* that we are doing now, for how many births do we receive its attainment? For 21 births. This is the attainment given by the Father. That is the attainment given by Maya. The shooting for both takes place now itself.

समय 12.10-13.07

जिज्ञासु: बाबा, रामचरित मानस में लिखा है तुलसीदास जी ने 'शंकर प्रिय मम द्रोही, मम द्रोही शिवदास...

बाबा: 'शिवद्रोही मम दास कहावा सो नर सपनेहू मोहे न पावा'। हाँ तो? ये तो आपने शास्त्रों की बात बताई पूछना क्या चाहते हैं? (जिज्ञासु: ने कुछ कहा।) शिवद्रोही मम दास कहावा। जो शिव का द्रोही है, वो राम का दास कहा जाये वो मनुष्य मेरे को सपने में भी नहीं पाय सकता।

¹ Spiritual effort

क्योंकि राम वाली आत्मा में ही तो शिव प्रवेश करता है। एक ही तो हो गया। तो शिव का द्रोह किया माने राम का द्रोह किया। राम का द्रोह किया माना शिव का द्रोह किया। द्रोह माने विरोध।

Time: 12.10-13.07

Student: Baba, it has been written in Ramcharitmanas by Tulsidas – *Shankar priy mamdrohi, mamdrohi Shiv das..*

Baba: “*Shivdrohi mam das kahava so nar sapnehu mohey na pava.*” Yes, so? You mentioned something from the scriptures; what do you wish to ask? (Student said something) *Shivdrohi mam daas kahava.* Shiv’s opponent (*drohi*) will be called Ram’s servant (*daas*).... that person cannot find me even in his dreams because Shiva enters in the (body of the) soul of Ram itself. It is one and the same. So, if you opposed Shiva, it means that you opposed Ram. If you opposed Ram, it means that you opposed Shiva. *Droh* means opposing.

समय 13.15-14.29

जिज्ञासु: बाबा, शिवलिंग की मन्दिर क्यों नहीं बनते हैं?

बाबा: किसका?

जिज्ञासु: शिवलिंग का।

बाबा: शिवलिंग का मंदिर नहीं होता? अरे, सबसे जास्ती तो शिवलिंग के ही तो मंदिर होते हैं।

जिज्ञासु: उसे बाबा जंगल में रख देते हैं।

बाबा: हाँ जंगल में रख देते हैं वो बात दूसरी है। पहाड़ों पे रख देते हैं, जंगल में रख देते हैं क्योंकि वो ऊँची स्टेज में जाके पुरुषार्थ करता है ना। जंगल में इसलिए रख देते हैं कि पुरुषार्थी जीवन में काँटों के जंगल में ही सारा काम किया। क्या? फूलों के बगीचे में रह करके काम नहीं किया है। सारी सेवा काँटों के जंगल में बीच में बैठ करके करता है। जैसे सारी दुनियां मुर्दों की है। मुर्दे होते हैं ना। वो बुद्धि चलाते हैं? उनको जैसे अक्ल ही नहीं। ऐसे बेअक्ल हो करके काम करते हैं। ऐसे बेअक्लों के बीच में शिवबाबा को काम करना पड़ता है। तो जंगल में उनके मंदिर बनते हैं, शमशानघाट में उनके मंदिर बनाये जाते हैं। जहाँ सब मुर्दे ही मुर्दे पड़े हुये हैं। भूत प्रेत हैं, भूत प्रेत। ज्यादा भूत प्रेत कहाँ होते हैं? शमशानघाट में। बहुत बढ़िया प्रश्न पूछा।

Time: 13.15-14.29

Student: Baba, why aren't there temples of *Shivling*?

Baba: Whose?

Student: Of *Shivling*.

Baba: Aren't there temples of *Shivling*? Arey, the maximum number of temples are of *Shivling* itself.

Student: Baba, they keep it in jungles.

Baba: Yes it is a different subject that they keep it in jungles. They keep it on mountains, in jungles because he makes *purusharth* in a high stage, doesn't he? They keep it in jungles because he performed the entire task in a jungle of thorns itself in his *purusharthi*² life. What? He did not perform the task living in a garden of flowers. He does the entire service sitting in the middle of the jungle of thorns. It is as if the entire world is of corpses. (For

² the life of making purusharth

example) there are corpses; do they use their intellect? It is as if they do not have sense at all. They work without using their brain. Shivbaba has to work amongst such brainless people. So, His temples are built in jungles. His temples are built in cremation grounds where everyone has become a corpse. They are ghosts and spirits. Where are more ghosts and spirits found? In the cremation ground. You have asked a very good question.

समय 14.35-15.09

जिज्ञासु: बाबा, ज्ञान लेने के बाद मैं हम सब लोग मंदिर में जा सकते हैं क्या?

बाबा: क्यों? बाबा ने क्या प्रतिबंध लगाया हुआ है कि दुनियां में मत घूमो फिरो?

जिज्ञासु: नहीं, पूजा नहीं करने का है ना। ज्ञान धारण करने के बाद।

बाबा: अच्छा, पण्डे पुजारी को दिखाने के लिए थोड़ा हाथ जोड़के दिखा दिया। ताकि वो खुश हो जाये बड़ा अच्छा भगत है। तो कोई हर्जा है क्या? पद कम हो जावेगा क्या? ऐसी तो कोई बात नहीं है। अंदर से धारणा होनी चाहिए। अंदर से शिवबाबा की याद होनी चाहिए।

Time: 14.35-15.09

Student: Baba, can we all go to temples after obtaining knowledge?

Baba: Why? Has Baba placed a restriction (saying), 'don't travel around the world'?

Student: No, we are not supposed to worship after inculcating the knowledge, are we?

Baba: Alright, you may fold your hands to show to the guides and priests so that they feel happy that you are a very good devotee. Is there any harm in it? Will your post degrade? It isn't like that. The inculcation should be from within. There should be Shivbaba's remembrance inside.

समय 18.20-18.54

जिज्ञासु: बाबा! ये जो रोड़ों पे भटकते हैं, वो बाबा से नहीं मिल पायेंगे?

बाबा: कौन?

जिज्ञासु: जो रोड़ों पे, स्टेशन पे भटकते हैं ।

बाबा: भटकते माने भिखारी? भिखारी लोग?

जिज्ञासु: हाँ, वो बाबा से नहीं मिल सकते हैं?

बाबा: ओहो, बाबा ने तो ये कहा है कि तुम बच्चों में से एक भी आत्मा ऐसी नहीं होगी जिसको रोटी की भीख माँगनी पड़े। है कोई ऐसी आत्मा? नहीं है, इससे साबित होता है जो रोटी की दर दर भीख माँगते है वो बाबा के बच्चे नहीं बन पाते।

Time: 18.20-18.54

Student: Baba, won't those who wander on the roads meet Baba?

Baba: Who?

Student: Those who wander on roads, at stations?

Baba: By wanderers you mean beggars? Beggars?

Student: Yes, can they not meet Baba?

Baba: Oho! Baba has said that there will not be a single soul among you children who will have to beg for *roti* (bread). Is there any such soul? There isn't. It proves that those who beg for *roti* at every door will not be able to become Baba's children.... (to be continued)

Extracts-Part-3

समय 24.45-26.18

जिज्ञासु: शंकराचार्यजी ने माताओं को नर्क क्यों बना दिया?

बाबा: उनका पार्ट है ऐसा। उनका यही पार्ट है कि घर-बार छोड़ते हैं तो अपनी कमजोरी नहीं देखते हैं कि हम घर-बार क्यों छोड़ रहे हैं। कन्याओं-माताओं के ऊपर ये दोष लगाते हैं कि ये सर्पिणी है। अपने अंदर की कमजोरी को नहीं देखा कि हम देहभिमानी साण्डे हैं। इनके साथ रह करके हम पवित्र नहीं रह सकते। वो शंकराचार्य हों, या शंकराचार्य के फॉलोअर्स दूसरे साधु-सन्यासी हों। सब घर-बार छोड़ करके भागते हैं कन्याओं, माताओं को त्याग करके भागते हैं। उनको आर्फन बनाय देते हैं। कमजोरी उनमें देखते हैं अपने अंदर कमजोरी नहीं देखते। और बाप हमको क्या सिखाते हैं? कैसा जीवन बनाना है? जंगल में जाके रहना सिखाते हैं या घर गृहस्थ की कीचड़ में रहते हुये पवित्र रहना सिखाते हैं? घर गृहस्थ की कीचड़ में भी रहे लेकिन बुद्धि ज्ञान में चलती रहे। ऐसे नहीं कि इन्द्रियों से कर्म नहीं करना है, इन्द्रियों से कर्म धारा खलास नहीं हो सकती। कर्म तो करना है, लेकिन कमलफूल समान कर्म करना है।

Time: 24.45-26.18

Student: Why did Shankaracharya call mothers as [gates to] hell?

Baba: Such is their (the *sanyasis*) *part*. Their *part* itself is such that when they renounce the household they do not see their own weakness: 'why are we leaving the household'. They blame the virgins and mothers (saying), 'they are female snakes'. They did not see their own inner weakness that they are body conscious bulls. That they cannot remain pure while living with them (the females). Whether it is Shankaracharya or the other holy men and *sanyasis* who are the followers of Shankaracharya, everyone leave the household and run away, they run away renouncing the virgins and mothers. They make them orphans. They see weakness in them (virgins and mothers). They do not see weakness inside themselves. And what does the Father teach us? What kind of a life should we make [our life]? Does He teach us to go and live in jungles or does He teach us to lead a pure life while living in the mud of household? We should indeed live in the mud of household, but the intellect should work in knowledge. It is not that we should not perform actions through organs; the flow of actions through organs cannot stop. We have to perform actions, but we have to perform actions like a lotus.

समय 26.25-27.56

जिज्ञासु: बाबा, अभी एडवान्स में ज्ञान में हम लोग आये अभी बहुत लेट आये हम लोग...

बाबा: और जो पहले आये थे 76 में, जब एडवान्स शुरू हुआ था और तब से लेकर अब तक विरोधी बने पड़े हैं। ऐसे हो जाता है तो क्या अच्छा होता? सदगुरु निंदक ठौर न पावे। अभी आराम से बैठे तो हो।

जिज्ञासु: लेकिन अभी इसका पुरुषार्थ से आगे राजा, महाराजा बन सकते हैं बाबा?

बाबा :लास्ट में आने वाले फास्ट नहीं जा सकते? मुरली क्या कहती है? लास्ट सो फास्ट। 16 हजार मणकों में से लास्ट में आने वाली लक्ष्मी क्या महारानी नहीं बन जायेगी? अरे, महारानी बनेगी या कि नहीं? एक सेकेण्ड में ब्रह्मा सो क्या बन जावेगा? विष्णु बन जावेगा। तो आप ब्रह्मा कुमार कुमारी नहीं हैं? हैं।

जिज्ञासु: प्रजापिता ब्रह्मा कुमार कुमारी हैं।

बाबा: प्रजापिता ब्रह्मा कुमार कुमारी हैं। नेगिटिव संकल्प तो लाने की बात ही नहीं। हाँ, हम से कोई भूल न होने पाये। श्रीमत की बरखिलाफी न होने पाये। सब हमसे राजी रहें।

Time: 26.25-27.56

Student: Baba, we have obtained advance knowledge now, we came very late...

Baba: And those who came earlier, in 76, when the advance knowledge started and have become opponents and have remained so since then, would it be good if it had been like that? *Sadguru nindak thaur na pave*³. Now you are at least sitting comfortably [here].

Student: But Baba can we become Kings and *Maharajas* (emperors) in future with our present *purusharth*?

Baba: Can't those who come in the last go fast? What does the Murli say? *Last so fast*. Among the 16000 beads, will Lakshmi who comes in the end become *Maharani* (empress) or not? *Arey*, will she become *Maharani* or not? What will Brahma become in a second? He will become Vishnu. So, are you not Brahmakumar-kumari? You are.

Student: We are Prajapita Brahmakumar-kumaris.

Baba: You are Prajapita Brahmakumar-kumaris. There is no question of creating negative thoughts at all. Yes, we should not make any mistake. We should not violate *shrimat*. Everyone should be happy with us.

समय 28.00

जिज्ञासु: बाबा ब्रह्मा को चतुरानन कहना ठीक है कि पंचानन कहना ठीक है।

बाबा: अब एक मुख भले बादमें उडा दिया गया ऊँची स्टेज में भले चला गया, आत्मिक स्टेज में चला गया, आत्मिक स्टेज में चले जाने के कारण वो चार भुजाओं कहो, चार मुखों कहो, उनके ऊपर सर परस्त हो गया, कन्ट्रोल करने वाला हो गया लेकिन मुख तो था पहले। मुख माना ब्रह्मा का मुख था ना। और ब्रह्मा अपूर्ण होता है या सम्पूर्ण होता है? तो प्रजापिता ब्रह्मा पहले अपूर्ण होता है। जब अपूर्ण होता है तो पाँच मुख वाला है। एक मुख पूरब में, एक मुख पश्चिम में, एक मुख उत्तर में, एक मुख दक्षिण में और एक मुख ऊपर में। अलफ को मिला अल्लह बे को मिली बादशाही, वो कौन है अलफ जिसकी अल्लाह की तरफ बुद्धी जाती है? तो चार मुह वाला ब्रह्मा नहीं है ब्रह्मा तो पाँच मुह वाला ही है लेकिन एक मुह काट दिया जाता है क्योंकि वो सबसे ऊँचे ते ऊँचा काम भी करता है और सबसे नीच ते नीच पार्ट भी बजाता है। गालियाँ बकने लग पडता है। तो प्रजापति का क्या कर देते हैं? सिर काट दिया जाता है। सिर काट दिया तो आत्मा अलग हो गई और देह भान अलग हो गया।

³ The one who brings the defamation of *Sadguru* will not find a place

अच्छा हुआ या बुरा हुआ? अच्छा हुआ ना? फिर बादमें उसको बकरे का मुख लगा देते हैं यादगार के रूप में कि लोगों को नसीहत मिले। क्या? कि ज्यादा तामसी पार्ट बजाने से, मैं मैं मैं करने वाला बकरा बन जाता है। एसा पार्ट कोई न बजाए।

Time: 28.00

Student: Is it right to call Brahma four headed for five headed?

Baba: Well, even if one head was cut afterwards, it went to a high stage, it attained the soul conscious stage... because of going in the soul conscious stage it became superior to the... call them the four hands or call them the four heads, it became the one who controls them. Yet, it was a head earlier, wasn't? A head means that it was a head of Brahma, wasn't it? And is Brahma incomplete or complete? He is incomplete. So, Prajapita Brahma is incomplete at first. When he is incomplete he has five heads. One head is towards north, another head is towards west, one head is towards east, another head is towards south and [yet] another head is upwards. Alaf found Allah and Be got the emperorship; who is that Alaf whose intellect goes towards Allah? Therefore, he is not the Brahma with four heads. Brahma is in fact the one with five heads but one head is cut because he performs the highest on high task as well as he plays the lowest part. He starts to use abusive language. Therefore, what do they do to Prajapita, Prajapati? His head is cut. When the head is cut, the soul becomes separate and the body consciousness separates. Was it good or was it bad? It was good, wasn't it? Then later, it is replaced with a goat's head as a memorial; so that people learn this lesson that by playing a very *tamsi part*⁴ he becomes a goat that says, 'me, me, me, me', no one should play such part.

समय 30.40-32.14

जिज्ञासु: बाबा, जो मातायें भट्टी ही नहीं कर रही हैं, और डेली मुरली सुन रही हैं, और भट्टी नहीं कर रही हैं तो वो साढ़े चार लाख में आत्मिक स्टेज नहीं बन पाई तो वो इसी शरीर से वर्सा ले पायेंगी क्या?

बाबा: जो बेसिक में ही चल रही हैं।

जिज्ञासु: नहीं, बेसिक में नहीं, एडवान्स में चल रही हैं।

बाबा: एडवान्स में चल रही हैं, एडवान्स में बाबा की मुरली सुन रही हैं।

जिज्ञासु: और बाबा² कहती हैं।

बाबा: बाबा² कहती ही नहीं सिर्फ बाबा की मुरली भी सुनती हैं बैठ करके। सुनती भी हैं, और देखती भी हैं। सुनती हैं या देखती हैं?

जिज्ञासु: सुनती हैं...

बाबा: और देखती भी हैं। सेकेण्ड क्लास वाणी बाबा की सुनती भी हैं, और बाबा का चेहरा देखती भी हैं, तो जो आँखों से चीज़ देखी जायेगी, वो याद नहीं आयेगी? याद तो आयेगी। और जिसकी

⁴ Degraded part

याद आयेगी वैसा ही पुरुषार्थ होगा या नहीं होगा? ब्रह्मा को याद करने वाले ब्रह्मा का फोटो रखने वाले उनकी गति क्या हुई? क्या हो रही है? ब्रह्मा का हार्टफेल हुआ, अकाले मौत हुई, तो उनको याद करने वालों की भी अकाले मौत होती जा रही है।

Time: 30.40-32.14

Student: Baba, the mothers who are not doing *bhatti* itself; they are listening to murli daily; and they are unable to achieve the soul conscious stage because of not doing *bhatti*, so will they be able to obtain the inheritance like the 450 thousand souls through this very body?

Baba: Those who are following the basic knowledge.

Student: No, not in basic; they are following the advance (knowledge).

Baba: Those who are following the advance knowledge and are listening to Baba's murli in advance.

Student: They keep saying – Baba, Baba.

Baba: They do not just say Baba, Baba, but they also sit and listen to Baba's murli. They listen as well as see. Do they listen or see?

Student: They listen...

Baba: And they see as well. They listen to second class *vani* of Baba as well. And they see Baba's face as well. So, will they not remember something that they see through their eyes? They will remember. And will their *purusharth* be like the person whom they remember or not? What fate did those who remembered Brahma and kept his photo meet? What fate are they meeting? Brahma suffered heart failure; he met with untimely death; so, those who remember him are also meeting untimely death.

जिज्ञासु: तो बाबा क्या वो मातायें शरीर नहीं छोड़ेंगी ना।

बाबा: अच्छा पुरुषार्थ करेंगी, भक्तिमार्ग के संस्कार नहीं रह जायेंगे अंत समय की परीक्षा में तो बिल्कुल नहीं शरीर छोड़ेंगी।

जिज्ञासु: अंदर में कोई भक्ति हो तो पता नहीं पड़ता है तो भक्ति करती नहीं है देखने में तो।

बाबा: हाँ, परखो।

Student: So, Baba, will those mothers not leave their body?

Baba: If they make good *purusharth*, if they do not have any *sanskar* of *bhakti* in the test in the last time, they will not leave their bodies at all.

Student: I don't know if they have *bhakti* within them but they do not appear to be doing *bhakti* outwardly.

Baba: Alright, judge them.

समय 32.22-33.31

जिज्ञासु: बाबा, अभी ये ज्ञान जो है बी.के. डायरेक्ट बी.के नहीं है, वो नॉन बी.के है वो नॉन बी.के लोगों को डायरेक्ट जाके हम ज्ञान दे सकते हैं ना बाबा?

बाबा: आपको कैसे पता कि वो नान बी.के है, जिन्होंने पी.बी.के. और बी.के. के बारे में कुछ सुना ही नहीं है वो पूर्व जन्म में ब्राह्मण नहीं बना था। आपको पता है? (जिज्ञासु: नहीं!) फिर? इसलिए आपको जब पता ही नहीं तो हर आत्मा को उसी दृष्टि से देखना ये बाप का बच्चा है 84 जन्म की प्रारब्ध लेने वाला बच्चा है, किसी को नीचे दृष्टि से नहीं देखना, आत्मा2 भाई-

भाई। अगर हमने ये दृष्टि रखी ये तो बी.के. है ही नहीं, इसने तो बी.के. में नालेज भी नहीं ली, बेसिक ज्ञान भी नहीं लिया, ये तो बिल्कुल नीचा है।

Time: 32.22-33.31

Student: Baba, can we give this knowledge directly to those who are not BKs, the non-BKs?

Baba: How do you know whether the non-BKs, who have not heard anything about PBKs and BKs, had not become Brahmins in the past birth? Do you know? (Student: No.) Then? This is why, when you do not know at all, you should see every soul as, 'he is the Father's child, he is the child who obtains fruit for 84 births'; you should not see anyone as a lowly person; you should see everyone as souls, as brothers. If you see him thinking that he is not a BK at all, he has not even obtained BK knowledge, he has not even obtained basic knowledge, he is completely degraded (then it is wrong).

जिज्ञासु: ऐसे नहीं बाबा, बी.के. के पास लोग गये तो वो लोग झगड़ा करते हैं।

बाबा: ठीक है, उसमें एडवान्स के संस्कार इतने ज्यादा हैं कि वो बात उसको पसंद ही नहीं आई। तो उसको संदेश नहीं देना बाबा का? बताना नहीं है कि बाबा प्रैक्टिकल में आया हुआ है?

Student: It is not that Baba. When people go to the BKs, they quarrel with them....

Baba: OK, he has the *sanskars* of advance (knowledge) so much that he did not like it at all. So, should he not be given Baba's message? Should you not tell that Baba has come in practice?(to be continued)

Extracts-Part-4

समय 34.10-35.32

जिज्ञासु: बाबा! विनाश के लिए, विनाश होने वाला है, ब्रह्माकुमारीयों में भी ऐसा होता था और एडवान्स में भी बात चल रही है विनाश² की, विनाश होता नहीं है। तो उसको कैसे मनेज करना है मतलब लौकिक जीवन में, व्यापार में, और गीता पाठशाला में?

बाबा: उनको वो कहानी बताओ, क्या कहानी? शेर आया-3 ये कहाँ की कहाँनी है? ये कथा कहाँनी कहाँ की है? बार-बार उसने बोल दिया शेर आया-2 शेर आया ही नहीं। आखिरीन क्या हुआ? एक बार आखरीन शेर आ ही गया। तो कहानी झूठी है या सच्ची है? 76 के लिए बोला, शेर आया-3 समझने वालों ने समझा, कि शेर आया तो कौनसे रूप में आया? कौनसी दुनियां के लिए आया? फिर बाद में फिर आवाज उठी, 2000 के लिए शेर आया-3 समझने वालों ने समझ लिया कि एडवान्स की दुनियां का भी विनाश होता है। हुआ कि नहीं? हुआ। ऐसे ही 2004 में।

Time: 34.10-35.32

Student: Baba, about destruction, destruction is about to take place, this happened (they kept saying this) in Brahmakumaris and in the Advance (knowledge) too, there is a talk about destruction; but destruction does not take place. So, how should we manage that? I mean in the *lokik* life, in business, and in *Gitapathshala*?

Baba: Tell them the story; which story? The lion has come, the lion has come, the lion has come – this story pertains to which time? These stories and tales concern to which time? He said repeatedly, 'the lion has come, the lion has come', but the lion did not come at all. What

happened ultimately? Finally one [day] the lion indeed came. So, is the story false or true? (Someone said: it is true.) It was said for (19)76: 'the lion has come, the lion has come, the lion has come' people who understood it did understand that when the lion came, in which form did it come. For which world did it come? Then later on, the sound was raised again regarding (the year) 2000 that the lion has come, the lion has come, the lion has come, those who understood it, [did] understand that the world of Advance (knowledge) is also destroyed. Was it (destroyed) or not? It was. Similarly it happens in 2004.

समय 35.30

जिज्ञासु: बाबा! कृष्णजी राधिका के पाँव क्यों दबाते हैं?

बाबा: कृष्णजी पाँव दबाते हैं? राधे के पाँव दबाते हैं। अरे, कृष्णजी को पता चल गया, ये बृद्धि रूपी पाँव पवित्र है। इसकी सेवा करनी चाहिए, भक्ति करनी चाहिए हमको। क्या? खुशामद से ही आमद है इसीलिए बड़ी खुशामद है।

Time: 35.38-

Student: Baba, why does Krishnaji press the feet of Radhika?

Baba: Does Krishnaji press the feet? He presses the feet of Radhe. Arey, Krishnaji came to know that these (Radha's) feet like intellect are pure; they should be served; I should show devotion [to those]. What? Flattery brings rewards⁵, that is why this great flattery (*khushamad*) [is being done]

समय 36.19-38.32

जिज्ञासु: वो 2004 की बात अधूरी रह गई थी।

बाबा: हाँ, नहीं हुआ। शास्त्रों में भी कथा आई है ब्रह्मा ने एक बार सृष्टि रची, पसंद नहीं आई, बिगाड़ दी। फिर ब्रह्मा ने दूसरी बार सृष्टि रची, पसंद नहीं आई, क्या किया? बिगाड़ दी। तीसरी बार रची, पसंद नहीं आई, बिगाड़ दी। चौथी बार बिगाड़ने का क्या वाक्या आया? चौथी बार नहीं बिगाड़ी। इसका मतलब जो चौथी बार में रचना होती है वो स्थाई रचना हो जाती है। जिसके लिए अव्यक्त वाणी में बोला नई दुनियां का जो फाउन्डेशन डाला गया उसके लिए बोल दिया अव्यक्त वाणी में तुम बच्चों को नई दुनियां की सौगात बाप-दादा ने दे दी है। कोई बच्चे हैं ना जो नई दुनियां का फाउन्डेशन को पहचानने वाले भी बन गये हैं। और उसमें जाने वाले भी हैं। लेकिन फाउन्डेशन है, नई दुनियां नहीं है। जैसे कोई मकान बनाया जाता है तो जो नींव खोदी जाती है, फाउन्डेशन खोदी जाती है उसमें ईंट, पत्थर सब डालते हैं। कच्चे, पक्के सब तरह के डालते हैं, या पक्के ही डालते हैं? सब तरह के डालते हैं। कोई पत्थर जब दुरमुट लगाया जाता है जोर से उनकी परीक्षा होती है खिसक जाते हैं इधर, उधर। और कोई अच्छा फाउन्डेशन बन जाते हैं। तो ऐसे ही नई दुनियां का फाउन्डेशन लग चुका है। ऐसे नहीं कि 2004 से फाउन्डेशन

⁵ *Khushamad se amad*: expression which means flattery brings financial rewards

नहीं लगा है। उसी समय ये अव्यक्त वाणी में बोली गई है। अभी ब्रह्मा के द्वारा सृष्टि बिगाड़ने की बात खतम हो जायेगी, या चालू रहेगी? खतम।

Time: 36.19-38.32

Student: That topic of 2004 remained unfinished.

Baba: Yes, it (destruction) did not happen. There is a story in the scriptures as well, that Brahma created the world once; he did not like it, he destroyed it. Then Brahma created the world second time; he did not like it; what did he do? He destroyed it. He created it a third time; he did not like it; he destroyed it. Is it said about the fourth time that it was destroyed? He did not destroy it the fourth time. It means that the fourth creation becomes the permanent creation for which it has been said in an *avyakta vani*; the foundation of the new world that was laid, for that it is said in the *avyakta vani* that Bapdada has given you children the gift of the new world. So, there are some children, who have become the ones who recognized the foundation of the new world, haven't they? And there are those who go there as well, but it is a foundation; it is not a new world. For example, when a new house is built, bricks, stones etc. are put in the foundation. Do they put all kinds (of stones) – weak as well as strong ones, or do they add only strong ones? They put all kinds (of stones). When they are beaten with a rammer, they are tested, some stones scatter here and there, and some become good foundation [stones]. So, similarly, the foundation of the new world has been laid. It is not that the foundation has not been laid since 2004. This *Avyakt Vani* was narrated at that time itself. Will the topic about destruction of the world by Brahma end now or will it continue? It will end.

समय 41.51- 43.39

जिज्ञासु: बाबा, अभी जो प्रजेन्ट में महाभारत देख रहे हैं बाबा बहनों के साथ में, उसका क्लैरिफिकेशन दे रहे हैं उस क्लैरिफिकेशन सिर्फ बहनों के लिए ही रहेगी, या भाइयों को भी पड़ेगी?

बाबा: बहनों को दुर्योधन, दुःशासन का टाइटिल मिला हुआ है या भाइयों को मिला हुआ है? ☺

जिज्ञासु: भाइयों की।

बाबा: तो ज्यादा बुद्धि खराब किसकी है? उनको क्लैरिफिकेशन देने से भी कोई फायदा नहीं है। वो उल्टा ही उठायेंगे।

जिज्ञासु: जो ज्यादा पतित होते हैं उनको ही जरूरत होती है ना।

Time: 41.51-43.39

Student: Baba, the Mahabharat (serial on TV) which Baba watches with the sisters at present and the clarification which He is giving; is it only for sisters or is it for brothers too?

Baba: Did the sisters get the title of Duryodhan, Dushasan or did the brothers get it? ☺

Student: The brothers.

Baba: So, whose intellect is more spoilt? There is no use of giving clarification to them (brothers) at all. They will understand it only in an opposite way.

Student: It is required for those who become more sinful, isn't it?

बाबा: माना भाई जो है पिछले जन्मों में हमेशा भाई-भाई बनते रहे। बहन नहीं बने हैं क्या?

जिज्ञासु: बने हैं।

बाबा: तो फिर?

जिज्ञासु: तो इस जन्म में जरूरत नहीं होगी?

बाबा: देखने के लिए तो परमिशन दी। पढ़ाई पढ़ते रहो बहनों से। अरे, दुर्योधन, दुःशासन पढ़ेंगे, या पढ़ायेंगे? ☺

जिज्ञासु: पढ़ेंगे।

बाबा: तो पढ़ो।

जिज्ञासु: उसके लिए तो बोला है एक से पढ़ना है।

बाबा: एक से पढ़ना है। दूसरों से सिर्फ टैली करना है एक की बात को। एक की बात जो एक ने बोली वो दूसरों से टैली करना है। ऐसे बात नहीं है कि बाबा जब महाभारत दिखाते हैं कन्याओं, माताओं को तो उस समय वो टेप नहीं किया जाता है बाबा का क्लैरिफिकेशन। वो भी टेप किया जाता है।

Baba: It means that the brothers became just brothers in their past births, is it so? Didn't they become sisters?

Student: They did.

Baba: Then?

Student: So, will it not be required in this birth?

Baba: You have been granted permission to see, haven't you? You can continue to study the knowledge from sisters. *Arey*, will the Duryodhan and Dushasan study or will they teach? ☺

Student: They will study.

Baba: So, study.

Student: For that it has been said that you have to study from the One.

Baba: You have to study from the One. You have to just tally (compare) with others what One has said. The things that the One has said, you have to tally it with others. It is not that, when Baba shows Mahabharata to the virgins and mothers, Baba's clarification is not taped (i.e. recorded) at that time. That is also taped (i.e. recorded).

जिज्ञासु: लाइब्रेरी से सुनने के लिए मिल सकता है?

बाबा: लाइब्रेरी में वार्तालाप नहीं मिलता है क्या?

जिज्ञासु: मिलता है।

बाबा: तो वार्तालाप नहीं है वो? मरे जा रहे हैं हमको क्यों दुर्योधन दुःशासन बता दिया, लड़ाई लड़ने के लिए पहले तैयार। ☺

Student: Can we get it from the library to listen?

Baba: Don't you get discussion (CDs) from the library?

Student: We get.

Baba: So, is that (clarification on serials) not a discussion? You are just dying to argue why you have been termed Duryodhan and Dushasan? You are ready to fight, first. ☺

समय 46.25-47.02

जिज्ञासु: निर्वाणधाम क्या है?

बाबा: जहाँ वाणी न हो। वाणी की दरकार ही न रहे। तुम बच्चे परमधाम को इस सृष्टि उतार लेंगे। इस सृष्टि पर जहाँ परमधाम उतरेगा वहाँ बोलेंगे? वाचा चलायेंगे? कि ऐसी सम्पन्न बीजरूप स्टेज होगी कि मन में संकल्प किया और सामने वाला तुरंत समझेगा? ज्यादा बोल-2 करने की दरकार ही नहीं रहेगी उसको कहेंगे निर्वाणधाम साकार सृष्टि का।

Time: 46.25-47.02

Student: What is *nirvaandhaam*?

Baba: The place where there is no *vani* (sound/speech), the place where there is no need of speech at all. You children will bring the Supreme Abode down to this world. Will you speak at the place where the Supreme Abode will be brought down in this world? Will you speak? Or will you be in such a perfect seed form stage that as soon as you create a thought in the mind the person in front of you will understand immediately? When there will not be any need to speak more, that will be called the *nirvaandhaam* (the abode of silence) of this corporeal world. (concluded).

.....
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.